# ओडीओपी उत्पादों की पैकेजिंग को गोरखपुर में बनेगा सीएफसी

अच्छी खबर

- प्रदेश के सभी ओडीओपी उत्पादों की पैकेजिंग के लिए यहां बनेंगे उत्पाद
- चार करोड़ की लागत से बनने वाले प्रदेश के पहले सीएफसी के लिए मिली मंजूरी

**गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।** 'एक जिला एक उत्पाद' में चयनित उत्पादों को पैकेजिंग के माध्यम से वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए गोरखपुर के जैनपुर में प्रदेश का पहला कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) बनेगा। पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित होने वाले इस सेंटर को शासन स्तर से मंजूरी मिल गई है।

चार करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले प्रदेश के पहले सेंटर में शुरुआती दिनों में टोरोकाटा उत्पादों के लिए पैकेजिंग मटेरियल तैयार होगा। बाद में यहां प्रदेश के सभी 75 जिलों के ओडीओपी उत्पाद के हिसाब से पैकेजिंग की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट ओडीओपी के तहत टेराकोटा से लेकर काला नमक को वैश्विक पहचान मिली है। इसी तरह कुशीनगर में केले के रेशे से तैयार होने वाले उत्पाद की भी अच्छी मांग है। इन उत्पादों को बेहतर पैकिंग में बिक्री को लेकर शासन ने महराजगंज रोड पर खुटहन के पास जैनपुर गांव में सीएफसी सेंटर खोलने की मंजूरी दे दी है।

सीएफसी के लिए सिद्धि विनायक वूमेन स्ट्रेंथ सोसायटी ने आवेदन किया था। इसकी सैद्धांतिक सहमति पिछले 11 नवम्बर को ही निदेशक उद्योग और आयुक्त उद्योग से मिल चुकी है। अब सीएफसी की डीपीआर तैयार हो रही है। माना जा रहा है कि डीपीआर महीने के अंत तक बन जाएगी। मार्च तक सीएफसी के एक्टिव होने की उम्मीद है।

ओडीओपी कंसल्टेंट उदय नारायण मिश्र का कहना है कि सीएफसी फिलहाल टेराकोटा उत्पादों की पैकेजिंग के लिए स्थापित हो रही है। आगे इसका विस्तार ऐसे होगा कि यहां प्रदेश के सभी जिलों के ओडीओपी उत्पादों की पैकेजिंग हो सके। इसके लिए रिसर्च टीम होगी। जो महिलाओं को ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित करेगी।

**महिलाओं द्वारा संचालित होगी पिंक सीएफसी :** टेराकोटा उत्पादों की पैकेजिंग के लिए मंजूर हुई प्रदेश की पहली सीएफसी पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित होगी। सिद्धि विनायक वूमेन स्ट्रेंथ सोसायटी की अध्यक्ष संगीता पांडेय और उनकी टीम द्वारा सेंटर को संचालित किया जाएगा। चार करोड़ रुपये की परियोजना में 90 फीसदी अंशदान प्रदेश सरकार करेगी। 10 फीसदी अंशदान सोसायटी को करना है।

> प्रदेश की यह पहली ओडीओपी की सीएफसी होगी जो पूरी तरह महिलाओं द्वारा ही संचालित होगी। महिलाओं को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने की योजना है। पहले चरण में 100 से अधिक महिलाओं को संस्था से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। जिला स्तरीय समिति और डायरेक्टर इंडस्ट्री की मंजूरी के बाद सेंटर की डीपीआर बन रही है।
> – संगीता पांडेय, प्रबंधक, सिद्धि विनायक वूमेन स्ट्रेंथ सोसायटी